राजकीय महाविद्यालय,कोटा (राज.)

(NAAC द्वारा "A" ग्रेड़ प्राप्त संस्थान)

Email address- principalgckota@gmail.com

रिपोर्ट / प्रतिवेदन

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
(6–7 अक्टूबर, 2023)

रसायन शास्त्र विभाग

विषय : 'रिसेंट एण्डवांसेज इन साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी'

समन्वयक: प्रोफेसर मोनिका दक्षिणी

आयोजन सचिव : प्रोफेसर रेणुका जैन

सह समन्वयक प्रो. मंजु बाला यादव

प्राचार्य एवं संरक्षक

डॉ. प्रतिमा श्रीवास्तव

NATIONAL CONFERENCE DEPARTMENT OF CHEMISTORY GCK

प्रथम दिवस :

दिनांक 06.10.2023 को राजकीय महाविद्यालय, कोटा मे रसायन शास्त्र विभाग द्वारा **'रिसेंट एण्डवांसेज इन साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी'** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र महाविद्यालय के हेरिटेज हॉल में प्रातः

11:00 बजे आयोजित हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि कोटा विश्वविद्यालय कोटा की कुलपति रसायनज्ञ डॉ. निलिमा सिंह, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा की कुलपति रसायनज्ञ डॉ. आशु रानी एवं सहायक निदेशक कॉलेज शिक्षा परिक्षेत्र कोटा डॉ. रघुराज परिहार रहे। उद्घाटन सत्र की बीज वक्ता(की–नोट स्पीकर) डॉ. राकेश भार्गव साइंटिस्ट एण्ड संयुक्त निदेशक डी.आर.डी.ई. ग्वालियर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. अरूण कुमार ने की।अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके **बाद प्राचार्य प्रो. अरूण कुमार, प्रो. मोनिका दक्षिणी, आयोजन सचिव प्रो. रेणूका जैन** ने अतिथियों माल्यार्पण कर स्वागत किया। डॉ. सुनिता भार्गव व डॉ. मनोज कुमार ने बेज लगा कर अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद **प्राचार्य प्रो. अरूण कुमार** ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा की संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के लिए एक उपलब्धी है, इसके माध्यम से विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों व संस्थानों से आने वाले शोधार्थी व विद्वान अलग–अलग विषयों से संबंधित अपने शोध पत्रों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के संबंध में अन्तर अनुशासनात्मक शोध निष्कर्ष प्रस्तुत करेगें। निसन्देहः यह कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी साबित होगा।

विभागाध्यक्ष एवं संगोष्ठी **समन्वयक प्रो. मोनिका दक्षिणी** ने सेमीनार के विषय का प्रवर्तन करते हुये बताया कि सेमीनार में पर्यावरण विज्ञान, मेटिरियल सांइस, एप्लीकेशन ऑफ इनफारमेशन टेक्नोलॉजी एण्ड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, बायाटेक्नोलॉजी, बायोफ्यूल एण्ड रिन्यूएबल ऐनर्जी तथा एग्रीक्लचर जैसे महत्वपूर्ण विषयों को रखा गया है। सेमीनार हेतु 400 से अधिक प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण करवाया है। दो दिवसों में विभनन तकनीकी सत्रों में शोध पत्रों का वाचन व चर्चा की जावेगी।

सहायक निदेशक प्रो. रघुराज परिहार ने बताया कि तकनीक के लिए विज्ञान की

आवश्यकता होती है। विज्ञान और टेक्नोलॉजी के बल पर ही कोइ देश वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकता है। **रसायनज्ञ प्रो. निलिमा सिंह** ने संबोधित करते हुये कहा कि विज्ञान और तकनिकी अनुशंधान के बल पर हम अ ात्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ सकते हैं। एंडवास टेक्नोलॉजी के माध्यम से प्रोडक्शन को बढ़ाया जा सकता है। गंभीर से गंभीर बीमारी को डायग्नोज किया जा सकता है। आज तकनीक ने वैज्ञानिक अनुशंधानों को आसान बनाया है।

प्रो. आशुरानी ने बताया कि आज टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से बदल रही है तथा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध हो रही है। कॉलेजों में ओर अधिक रिसर्च की सुविधा होना चाहिए। आज रिसर्च व नवीन टेक्नोलॉजी के माध्यम से **लोकल को ग्लोबल** बना सकते है। उन्होंने नये रिसर्च और आइडिया को पेंटेट फाइल करने पर जोर दिया और कहा रिसर्च को टेक्नोलॉजी में बदलने की आवश्यकता है।

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता वैज्ञानिक डॉ. राकेश भार्गव ने प्रोडक्शन एण्ड एप्लीकेशन ऑफ

मोनोक्लोनल एन्टीबॉडिज' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसके बाद आमंत्रित व्याख्यान के अंतर्गत राजकीय मेडिकल महाविद्यालय बूंदी की प्राचार्य प्रोफेसर गुलाब कंवर ने 'भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास एवं विभिन्नें तकनीकों के बारे में जानकारी दी। डॉ. सुमन शर्मा ने प्रोफेसर गुलाब कंवर को धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके बाद प्रथम तकनीकी सत्र का आयोजन किया जिसमें प्रतिभागियों ने ऑन लाईन/ ऑफ लाईन अपने शोध पत्रों को वाचन किया। प्रथम तकनीकी सत्र का संचालन प्रोफेसर अंजु अग्रवाल तथा डॉ. मनोज कुमार ने किया। कार्याक्रम में सभी संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्याक्रम का संचालन डॉ. मंजुबाला यादव ने किया तथा धन्यवाद आयोजन सचिव डॉ. रेणुका जैन दिया। प्राचार्य प्रोफेसर अरूण कुमार ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये।

संगोष्ठी के दूसरे दिन की शुरूआत सरस्वती वंदना से हुई। मुख्य वक्ता डॉ. उमा शर्मा,

विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ स्टेडीज इन केमेस्ट्री एण्ड बायोकेमेस्ट्री थी। संगोष्ठी **समन्वयक प्रो. मोनिका दक्षिणी, सह समन्वयक प्रो. मंजु बाला यादव एवं आयोजन सचिव प्रो. रेणूका जैन** ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

प्रथम सत्र में सर्वप्रथम डॉ. यग्नेश गुप्ता, सीनियर मैनेजर डी.सी.एम. श्रीराम लि. कोटा ने एन्वायरोमेन्ट प्रोटेक्शन एण्ड बिजनिस सस्टेनीविलिटी पर अपना व्याख्यान दिया। आपने संयंत्र में मेन्यूफेक्चर होने वाले विभिन्न उत्पादों एवं उनके प्रक्रमों के बारे में जानकारी दी। आपने प्रदुषित होने वाले जल को रिसायकिल कर पुनः उपयोग करने तथा प्रदुषण को नियत्रिंत करने की विधियों एवं उपायों के बारें में विस्तार से बताया। इसके पश्चात् डॉ. उमा शर्मा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक ''सुप्रामॉलिक्यूलर केमेस्ट्री– ए टूल फॉर मेन्यूफेक्चर्ड मटेरियल'' था। आपने रसायन शास्त्र के प्राचीन रसायन विज्ञान से विशाल अणुकाणिका रसायन विज्ञान तक के विकास की यात्रा को विद्यार्थियों से साझा किया तथा सुप्रामॉलिक्यूलर रसायन विज्ञान एवं उसके अनुप्रयोग के बारें में महत्वपूर्ण जानकारी दी। आपने बताया सुप्रामॉलिक्यूलर रसायन विज्ञान अणुओं के बीच कमजोर और प्रतिवर्ती गैर सहसंयोजक इंटरैक्शन की जांच करता है, जिनका उपयोग कई जैविक प्रक्रियाओं को समझाने के लिए महत्वपूर्ण है। नेनोटेक्नॉलोजी के उभरते विज्ञान का भी इस विषय पर एक मजबुत प्रभाव है। प्रोफेसर अरूण कुमार ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किये।

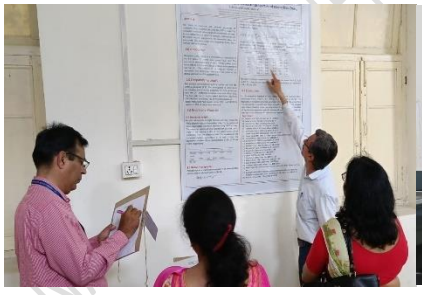

इसके बाद **प्रथम तकनीकी सत्र** में प्रतिभागियों ने ऑन लाईन/ ऑफ लाईन अपने शोध पत्रों को वाचन किया। एवं पोस्टर प्रेजेन्टेशन दिया। इस तकनीकी सत्र का संचालन प्रोफेसर सुमन शर्मा तथा डॉ. भरत सिंह मीणा ने किया। द्वितीय तकनिकी सत्र का संचालन डॉ. योगेश कुमार टेलर एवं डॉ. रामेत मीणा ने किया जिसमें अन्य प्रतिभागियों ने अपना शोध पत्र वाचन किया एंव पोस्टर प्रेजेन्टेशन दिया।

INTERNATIONAL CONFERENCE DEPARTMENT OF CHEMISTRY GCK

कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अन्त में समापन समारोह हुआ जिसमें डॉ.मोनिका दक्षिणी ने सभी अतिथियों,

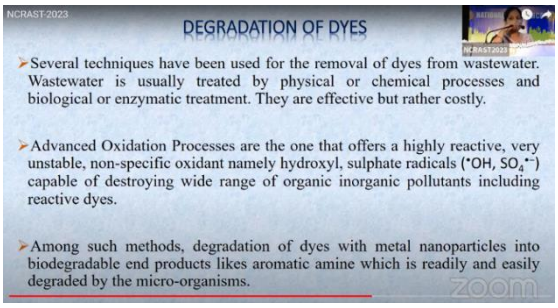

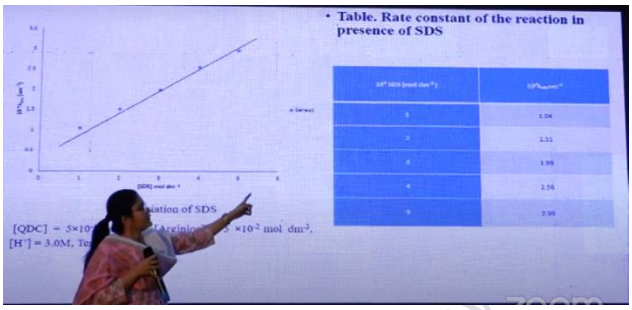

महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों , कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। महाविद्यालय की नवनियुक्त प्राचार्य प्रो. प्रतिमा श्रीवास्तव ने आयोजकों को संगोष्ठी के सफल आयोजन की बधाई देते हुये विद्यार्थियों को भविष्य में भी उत्साह पूर्वक भाग लेने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजुबाला यादव एवं डॉ. सुनीता भार्गव ने किया।

NATIONAL CONFRENCE DEPARTMENT OF CHEMISTRY

दैनिक भास्कर

कोटा 07-10-2023

प्रेस कवरेज

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद प्रतिभागी

राजकीय महाविद्यालय में रिसेंट एडवांसेज इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

शोध को तकनीक में बदलने की जरूरत : वीसी

एजुकेशन रिपोर्टर | कोटा

राजकीय महाविद्यालय कोटा में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा रिसेंट एडवांसेज इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्य अतिथि कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीलिमा सिंह रहीं। अध्यक्षता डॉ. बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. आशु रानी ने की। सहायक निदेशक डॉ. रघुराज परिहार, डॉ. राकेश भार्गव विशिष्ट अतिथि रहे। प्रो. आशुरानी ने कहा कि टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से बदल रही है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध हो रही है। कॉलेजों में और अधिक रिसर्च की सुविधा होनी चाहिए। रिसर्च व नवीन टेक्नोलॉजी के माध्यम से लोकल को ग्लोबल बना सकते हैं। उन्होंने नए रिसर्च और आइडिया को पेटेंट फाइल करने पर जोर दिया। रिसर्च को टेक्नोलॉजी में बदलने की आवश्यकता है। सेमीनार में पर्यावरण विज्ञान, मेटिरियल साइंस एप्लीकेशन ऑफ इनफारमेशन टेक्नोलॉजी एंड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी, बायोफ्यूल एंड रिन्यूएबल एनर्जी तथा एग्रीकल्चर जैसे महत्वपूर्ण विषयों को रखा गया है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौजूद अतिथि

400 से अधिक प्रतिभागियों ने करवाया पंजीयन

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता वैज्ञानिक डॉ. राकेश भार्गव ने प्रोडक्शन एंड एप्लीकेशन ऑफ मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज पर व्याख्यान दिया। राजकीय मेडिकल महाविद्यालय बूंदी की प्राचार्य प्रोफेसर गुलाब कंवर ने भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास एवं तकनीकों की जानकारी दी। इसके बाद तकनीकी सत्र का आयोजन किया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों को वाचन किया। प्रथम तकनीकी सत्र का संचालन प्रोफेसर अंजु अग्रवाल तथा डॉ.मनोज कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजुबाला यादव और आयोजन सचिव डॉ. रेणुका जैन किया। प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। 400 से अधिक प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण करवाया है।

मतदान के बहिष्कार की चेतावनी दी

क्षय रोग उन्मूलन पर

चैंबर खाली कर

राजस्थान पत्रिका
7/10/2023

अंता मैन केनाल में सीसी लाइनिंग का कार्य किया गया था, लेकिन घटिया निर्माण के

265.53 करोड़ से 178.16 करोड़ के तीन कामों का कार्यादेश दिया गया।

दोनों नहर
हैक्टेयर
हैक्टेयर

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन

रिसर्च को टेक्नोलॉजी में बदलने की जरूरत

कोटा. राजकीय महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग की ओर से 'रिसेंट एवांसेज इन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीलिमा सिंह, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा की कुलपति डॉ. आशु रानी व सहायक निदेशक कॉलेज शिक्षा परिक्षेत्र कोटा डॉ. रघुराज परिहार रहे। की-नोट स्पीकर साइंटिस्ट एण्ड संयुक्त निदेशक डीआरडीई ग्वालियर डॉ. राकेश भार्गव रहे।

कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि विज्ञान और तंकनीकी अनुसंधान के बल पर हम आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ सकते हैं। एंडवास टेक्नोलॉजी के माध्यम से प्रोडक्शन को बढ़ाया जा सकता है। गंभीर से गंभीर बीमारी को डायग्नोज किया जा सकता है। आज तकनीक ने वैज्ञानिक अनुसंधानों को आसान बनाया है। प्रो. आशुरानी ने कहा कि कॉलेजों में और अधिक रिसर्च की सुविधा होना चाहिए। आज रिसर्च व नवीन टेक्नोलॉजी के माध्यम से लोकल को ग्लोबल बना सकते हैं। उन्होंने नए रिसर्च और आइडिया को पेंटेट फाइल करने पर जोर दिया और कहा रिसर्च को टेक्नोलॉजी में बदलने की आवश्यकता है। प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार, प्रो. मोनिका, दक्षिणी आयोजन सचिव प्रो. रेणुका जैन ने अतिथियों माल्यार्पण तथा डॉ. सुनीता भार्गव, डॉ. मनोज कुमार ने बेज लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। सेमिनार में 400 से अधिक प्रतिभागियों ने अपना पंजीकरण करवाया है। राजकीय मेडिकल महाविद्यालय बूंदी की प्राचार्य प्रोफेसर गुलाब कंवर, डॉ. सुमन शर्मा, प्रोफेसर अंजु अग्रवाल, डॉ. मनोज कुमार ने सम्बोधित किया।

सैनिक संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित

दैनिक भास्कर

कोटा 08-10-2023

दैनिक भास्कर

संगोष्ठी में शोध पत्रों का वाचन किया

कोटा | राजकीय महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन शनिवार को हुआ। समारोह की शुरुआत प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार के अध्यक्षीय भाषण से हुई। कार्यक्रम संयोजक एवं रसायन शास्त्र विभाग अध्यक्ष प्रो. मोनिका दक्षिणी ने समारोह में होने वाले व्याख्यानों की जानकारी दी। डॉ. याग्नेश कुमार गुप्ता ने पर्यावरण प्रबंधन एवं जल संचयन और प्रोफेसर उमा शर्मा ने सुपर मॉलेक्युलर केमिस्ट्री विषय पर व्याख्यान दिया। संगोष्ठी में प्रतिभागियों ने रिसर्च पेपर का वाचन भी किया। समापन समारोह में प्रो. आरके उपाध्याय तथा प्रतिमा शृंगी, डॉ. रघुराज परिहार मौजूद रहे।

सुल्तानपुर महिला कबड्डी में सबसे आगे

कोटा | जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में 19 वर्षीय छात्रा वर्ग में सुल्तानपुर ने बाजी मारी। दल प्रभारी पुष्पा मीणा ने बताया कि यह छात्राओं की मेहनत और

NATIONAL CONFERENCE ON CHEMISTRY GCK

समन्वयक एवं विभागाध्यक्ष	सह समन्वयक	आयोजन सचिव
डॉ. मोनिका दक्षिणी	डॉ. मंजु बाला यादव	डॉ. रेणुका जैन
प्रोफेसर (रसायान शास्त्र)	प्रोफेसर (रसायन शास्त्र)	प्रोफेसर (रसायन शास्त्र)